साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 74 | जौनपुर, सोमवार, 04 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नीतीश कुमार ने छठ की तैयारियों की समीक्षा के लिए किया पटना में घाटों का निरीक्षण

बिहार, एजेसी। अबिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को राज्य की राजधानी पटना में गंगा घाटों का निरीक्षण किया। यह पर्व सात और आठ नवंबर को मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी किये गये बयान के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कुमार ने अधिकारियों को पटना में श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए साफ–सफाई, सुरक्षा, प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं और आगंतुकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घाटों पर अस्थायी 'चेंजिंग रूम'(कपड़े बदलने की जगह), शौचालय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। पिछले 15 दिनों में यह तीसरी बार था, जब मुख्यमंत्री ने छठ पर्व के सिलसिले में गंगा घाटों का निरीक्षण किया है।

भारत आज खुद को ''विश्व मित्र'' के रूप में स्थापित कर रहा है – जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत आज स्वयं को ''विश्व मित्र'' के रूप में स्थापित कर रहा है। अपने संबोधन में जयशंकर ने यह भी कहा कि''हम अधिक से अधिक लोगों के साथ मित्रता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे जाहिर तौर पर भारत के प्रति सद्भावना और सकारात्मकता पैदा होती है। उन्होंने कहा कि यह देश द्वारा वैश्विक भलाई में दिए जा रहे बढ़ते योगदान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ उसके करीबी जुड़ाव में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि अंतिम विश्लेषण में मित्र ''हमेशा प्रगति पर काम करते हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश के लिए मित्रता विकसित करना कभी आसान नहीं होता।

केंद्र सरकार कर रही आम आदमी की अनदेखी, अमीरों का कर्जा हो रहा माफ - प्रियंका

वायनाड, एजेसी। प्रियंका गांधी ने अपने भाई राहुल गांधी के साथ चुनावी मंच से महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि सरकार आम आदमी की अनदेखी करती है और केवल अमीर व्यापारियों के कर्ज माफ कर उन्हें बढ़ावा देती है। केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपने प्रचार के दूसरे चरण की शुरुआत करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल, आवास और शिक्षा में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। ग्रामीण रोजगार योजना के लिए अधिक निवेश को संसद में सरकार पर दबाव बनाने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अमीर व्यापारियों के 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए, लेकिन किसानों को फसल नुकसान के लिए मुआवजा देने या बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और नौकरियों पर खर्च करने में अनिच्छुक है। बड़े व्यापारियों का फेवर लेने के लिए पीएम मोदी पर हमला करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उनका उद्देश्य क्रोध और नफरत फैलाकर, आपको विभाजित करके सत्ता में बने रहना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अत्याचार कर रहे हैं और लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं।

वायनाड के मतदाताओं की ओर से राहुल गांधी द्वारा शुरू की गई लड़ाई को जारी रखने का वादा करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में आपकी समस्याओं को उठाकर उन्हें हल करने का बहुत प्रयास किया है। महंगाई और बेरोजगारी को मूलभूत समस्याओं के रूप में रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार लोगों के लिए काम नहीं कर रही हैं। उन्होंने वायनाड के मतदाताओं को उनके भाई राहुल गांधी के साथ खड़े होने के लिए धन्यवाद दिया, जबकि उन पर भाजपा द्वारा हर दिन हमला किया जा रहा था और उनकी छवि को खराब करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा था। वायनाड में विकास के लिए अपना खाका साझा करते हुए कांग्रेस महासचिव ने लोगों की आय बढ़ाने के लिए पर्यटन और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की क्षमता पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में राजनीतिक मुद्दे उठाने से परहेज करने वाले राहुल गांधी ने कहा कि देश में लड़ाई नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्यार से बनाए गए संविधान की रक्षा और उसे कायम रखने तक सीमित है। इस दौरान उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कभी–कभी मैं अधिक तार्किक होता हूं, लेकिन वह मुझसे अधिक भावुक होती हैं। इसलिए मुझे विश्वास है।

रेल मंत्री ने यात्री सुविधाओं की समीक्षा के लिए नई दिल्ली स्टेशन का दौरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार शाम को त्योहारी सीजन के दौरान यात्री सुविधाओं और यात्रा व्यवस्था की समीक्षा के लिए नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। प्लेटफॉर्म पर अपनी रेलगाड़ियों का इंतजार कर रहे कुछ यात्रियों से बात करने के बाद वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेल अधिकारियों द्वारा भीड़ प्रबंधन पर संतोष व्यक्त किया। कुछ यात्रियों ने यह भी कहा कि उचित भीड़ प्रबंधन के कारण उन्हें प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वैष्णव ने पत्रकारों से बात करते हुए सुगम यात्रा अनुभव के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने स्टेशन पर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग के लिए यात्रियों की भी सराहना की। वैष्णव ने बताया कि पिछले साल भारतीय रेलवे ने दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान 4,500 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया था जबकि इस साल 7,435 विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, ''31 अक्टूबर तक 51 लाख लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए इन विशेष रेलगाड़ियों से यात्रा कर चुके हैं।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने 11 महीने के शासन में `अंधकार' खत्म किया – सीएम रेवंत

हैदराबाद, एजेसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछले 11 महीने में कांग्रेस सरकार ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शासन के तहत राज्य में व्याप्त निराशा और हताशा के माहौल को पलट दिया है और 'अंधकार' को समाप्त कर दिया है। रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए उस पोस्ट के जवाब में यह टिप्पणी की जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस शासन में हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में विकास की गति और राजकोषीय स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। रेड्डी ने पोस्ट में कहा, ''अपने राज्य और हमारी सरकार के बारे में आपके बयानों में कई गलतफहमियों और तथ्यात्मक त्रुटियों को स्पष्ट कर मुझे खुशी हो रही है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर शुक्रवार को की गई कई पोस्ट में कहा था कि कांग्रेस लोगों के सामने 'बुरी तरह बेनकाब' हो गई है क्योंकि उसने लोगों से ऐसे वादे किए हैं जिन्हें वह कभी पूरा नहीं कर पाएगी।

उन्होंने मोदी को संबोधित पोस्ट में कहा, ''लोगों से किया गया हमारा हर वादा हमारे लिए एक पवित्र प्रतिबद्धता की तरह है। पिछले 11 महीनों में हमने बीआरएस शासन के दौरान व्याप्त निराशा और हताशा के माहौल को पलट दिया है और अंधकार को समाप्त कर दिया है। सुबह के सूरज की तरह ही तेलंगाना भी अब उग रहा है।

झारखंड में नहीं लागू किया जाएगा यूसीसी - सोरेन

रांची, एजेसी। झारखंड में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) लागू करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के कुछ ही देर बाद रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाएगी। सोरेन ने जोर देकर कहा कि झारखंड आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियमों का पालन करेगा। गढ़वा में एक रैली में सोरेन ने कहा, श्यहां न तो समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी और न ही एनआरसी। झारखंड पूरी तरह से छोटानागपुर काश्तकारी और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियमों का पालन करेगा। ये लोग (भाजपा नेता) जहर उगल रहे हैं और उन्हें आदिवासियों, मूल निवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है। इससे पहले, शाह ने भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय कहा, हमारी सरकार झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार यह झूठा प्रचार कर रही है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी अधिकारों, संस्कृति और संबंधित कानून को प्रभावित करेगी। शाह ने जोर देकर कहा कि समान नागरिक संहिता भले ही लागू की जाएगी, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों के अधिकार प्रभावित न हों। सोरेन ने शाह की इस टिप्पणी पर भी तीखा हमला बोला कि झामुमो नीत गठबंधन नक्सलवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि दो चरणों में चुनाव होना इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद पर अंकुश लगा दिया गया है, जबकि पहले चुनाव पांच चरण में होते थे। सोरेन ने भाजपा की तुलना सूखते हुए पेड़ से की और उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का लक्ष्य खनिज संपदा के लिए स्थानीय निवासियों को विस्थापित करना है। सोरेन ने भाजपा पर उनकी सरकार को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा, केंद्र ने कोयला कंपनियों द्वारा खनन के लिए राज्य को 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया अभी तक नहीं चुकाया है। सोरेन ने पूछा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत आने की अनुमति क्यों दी गई।

आतंकी हमलों में वृद्धि को रोकना जरूरी – उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां एक रविवार बाजार में हुए ग्रेनेड हमले की निंदा करते हुए कहा कि सुरक्षा तंत्र को आतंकवादी हमलों में वृद्धि को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। शहर के मध्य में स्थित भीड़–भाड़ वाले बाजार के पास सीआरपीएफ के एक बंकर की ओर आतंकवादियों द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने से 11 लोग घायल हो गए। अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ दिनों से घाटी के कुछ हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ की खबरें चर्चा में रही हैं। श्रीनगर के रविवार बाजार में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ''सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द हमलों की इस लहर को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, ताकि लोग बेखौफ होकर अपना जीवन जी सकें।'' कांग्रेस की जम्मू–कश्मीर इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने भी ग्रेनेड हमले की निंदा की।

कर्रा ने कहा, ''दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की दुर्भाग्यपूर्ण और भयावह घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ...।'' उन्होंने कहा, ''जम्मू–कश्मीर पुलिस को ऐसे क्रूर और अमानवीय हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए ताकि लोग निर्भीक होकर कहीं भी आ–जा सकें।'' उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

झूठ का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत आरोप लगा रही कांग्रेस - हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठे और फर्जी आंकड़ों का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट में खरगे के दावों के जवाब में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार की समावेशी विकास नीतियां देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बना देंगी। इससे पहले खरगे ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था, ''झूठ, छल, जालसाजी, लूट और प्रचार ये पांच विशेषण हैं, जो आपकी सरकार का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं। उन्होंने मोदी से ''प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों के वादे, मुद्रास्फीति, विमुद्रीकरण और दोषपूर्ण–जीएसटी, चुनावी बॉन्ड, सेबी प्रमुख के खिलाफ आरोप, एससी/एसटी के खिलाफ अपराध और वैश्विक भूख सूचकांक पर भारत की खराब रैंकिंग'' को लेकर सवाल पूछे थे। मोदी सरकार ने 24 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है। इसमें 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण, 12 करोड़ नल जल कनेक्शन, 10 करोड़ से ज़्यादा मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन,

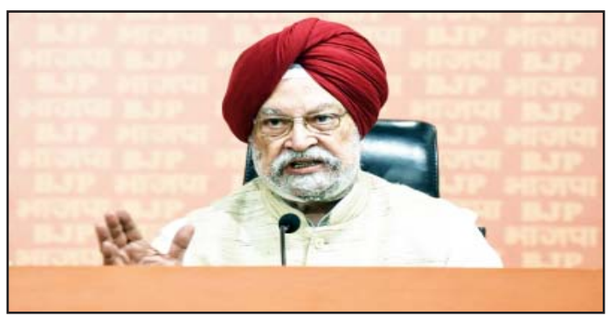

स्वास्थ्य सेवा, 51 करोड़ बैंक खाते, पूंजीगत व्यय में तीन गुना वृद्धि और जीएसटी, स्टार्टअप इंडिया, आईबीसी और पीएलआई योजना जैसे नीतिगत सुधारों से मदद मिली है।

छठ पूजा पर दिल्ली में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा की छुट्टी के संबंध में मुख्य सचिव को पत्र लिखा। आतिशी ने कहा कि छठ पूजा दिल्ली के एनसीटी के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। तदनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने 7 नवंबर 2024 को छठ पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। यह घोषणा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 7 नवंबर को छुट्टी घोषित करने का अनुरोध करने के कुछ घंटों बाद आई। एक्स पर घोषणा करते हुए आतिशी ने लिखा मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि 7 नवम्बर को छठ के त्यौहार की छुट्टी होगी, कि सभी पूर्वांचली भाई–बहन धूम–धाम से छठ का त्यौहार मना सकें। उन्होंने फैसले के संबंध में अपना हस्ताक्षरित आदेश भी साझा किया। आदेश में कहा गया है कि छठ पूजा दिल्ली के एनसीटी के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। तदनुसार, दिल्ली की एनसीटी सरकार ने 7 नवंबर, 2024 को छठ पूजा के कारण सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले दिन में राज निवास दिल्ली ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि माननीय उपराज्यपाल ने माननीय मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 7 नवंबर, 2024 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए फाइल को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

चुनाव के समय जनता से वोट लेने कांग्रेस नेता करते हैं झूठे वादे – मोहन यादव

मध्यप्रदेश, एजेसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके नेता चुनाव के समय जनता से वोट लेने के लिए झूठे वादे कर जनता की आंख में धूल झोंकने का कार्य करते हैं। डॉ यादव और मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने जिले के विजयपुर विधानसभा के कराहल विकासखंड के ग्राम गोरस में गोवर्धन पूजा कर जनता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अब तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी स्वीकार कर लिया है कि कांग्रेस और उसके नेताओं द्वारा झूठे वादे किए जाते हैं। श्री खड़गे ने पार्टी नेताओं को नसीहत देते हुए कहा है कि झूठे वादे कर फंसा देते हो, इससे अब पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है कि कांग्रेस और उसके नेता चुनाव के समय वोट लेने के लिए झूठे वादे कर जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से झूठे वादों का सहारा लेती रही है। कांग्रेस जनता से जो वादा करती है उसे कभी पूरा नहीं करती है। विपक्षी दलों को सनातन के त्योहार मनाने पर भी आपत्ति होती है। हमारी सरकार ने गोवर्धन पूजा का निर्णय लिया तो विपक्षी दल के नेताओं द्वारा आपत्ति की जा रही है। गोवर्धन और गौ माता की पूजा का विरोध कर रही कांग्रेस 20 साल से मध्यप्रदेश में सत्ता से दूर है, अगर इसी तरह गाय पूजा का विरोध करती रही तो कभी सत्ता में नहीं आने वाली है। डॉ यादव ने कहा कि एक ओर कांग्रेस ऐसे वादे करती है, जो पूरा करना तो दूर, चुनाव के बाद वादे से पलट जाती है। वहीं भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो भी गारंटी होती है, उसे जमीन पर उतारने का कार्य किया जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के 11 करोड़ किसानों को हर साल छह हजार रूपए पीएम किसान सम्मान निधि के प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना हो या लाडली बहना योजना, सभी योजनाएं वित्तीय उपलब्धता को देखते हुए घोषणा की जाती है और उसे पूरा भी किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयपुर से भाजपा प्रत्याशी श्री रावत ने इस क्षेत्र के विकास के लिए कांग्रेस पार्टी को छोड़ा है। पिछले एक वर्ष में विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 253 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। निर्माणाधीन सड़कें जल्द पूरी हो जाएंगी। इस क्षेत्र में 17 सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे 17 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल खेत सिंचित होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार इस क्षेत्र का विकास कर रही है। तीन अस्पतालों का उन्नयन किया गया है, दो सीएम राइज विद्यालय मंजूर किए गए हैं।

पीएम आवास योजना के तहत 31 हजार पक्के मकान बनाकर गरीबों का दिए जा चुके हैं। विधानसभा उपचुनाव के बाद बचे हुए गरीबों का सर्वे कराकर सभी को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे, यह भाजपा की गारंटी है।

डॉ यादव ने कहा कि विजयपुर क्षेत्र में हर वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने की घोषणा वे पहले ही कर चुके हैं। उप चुनाव संपन्न होने के बाद सभी वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कल भाई दूज है, सभी बहनें अपने भाईयों को आशीर्वाद देंगी। बहनों से निवेदन है कि आपका भाई व प्रदेश शासन के मंत्री श्री रावत विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी हैं। बहनों कल भाई दूज मनाएं, लेकिन अपने भाई व भाजपा प्रत्याशी श्री रामनिवास रावत को 13 नवंबर को मतदान के दिन अपना वोट स्वरूप आशीर्वाद देकर विजयी बनाएं। लाड़ली बहनों को भाजपा सरकर ने ही तीन हजार रूपए देने को कहा है, उस वादे को भी पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम सनातनियों की दुनिया गौ माता से शुरू होती है और गौ माता पर समाप्त हो जाती है। गौ माता में 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास होता है। गौ माता चराचर जगत के कल्याण का कार्य करती है। लाडली बहनों को अभी 1250 रूपए प्रति माह दिया जा रहा है। बैगा भारिया और सहरिया समाज की बहनों को कुपोषण दूर करने के लिए प्रति माह 1500 रूपए प्रदान किए जा रहे हैं। भाजपा सीमा पर किसान और खेत पर जवान दोनों को बराबर सम्मान देने का कार्य करती है। कांग्रेस ने वर्षों शासन किया, लेकिन सहरिया समाज के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया। भाजपा सरकार ने सहरिया विकास प्राधिकरण बनाकर समाज के लिए कार्य कर रही है। गोरस गांव गिर गायों के लिए लंबे समय से प्रसिद्ध है। गिर गायों ने ब्राजील की अर्थव्यवस्था को बहुत समृद्ध किया है। भाजपा सरकार गिर गायों से मध्यप्रदेश और देश की तश्वीर और तकदीर बदलने का कार्य करेगी।

संपादकीय

अतार्किक दोहन से बिगड़ता जल – चक्र

खाद्य एवं जल विशेषज्ञों के समूह ग्लोबल कमीशन आन द इकोनामिक्स आफ वाटर की ताजा रपट में पाया गया है कि जल संकट से वैश्विक खाद्य उत्पादन का पचास फीसद से अधिक हिस्सा संकट में है। इससे 2050 तक कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद में औसतन आठ फीसद की कमी आ सकती है, जबकि कम आय वाले देशों में यह नुकसान 15 फीसद तक हो सकता हैट अनुसार, दशकों से हो रहे विनाशकारी भूमि उपयोग और जल कुप्रबंधन ने मानव जनित जलवायु संकट के साथ मिल कर वैश्विक जल– जल चक्र पर गहरा दबाव बना दिया है। यह कई देशों की अर्थव्यवस्था, खाद्य उत्पादन और जन जीवन पर गहरा संकट सकता है। दुनिया भर में करीब तीन अरब लोग पहले से ही पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। एक तरफ फसलें पानी की कमी से मुरझा रही हैं, तो दूसरी तरफ नगर नगर डूब रहे हैं। अगर इस संकट को नहीं तो परिणाम भयावह होंगे। सुलझाया गया इस त्रासदी को जल खर्च के संतुलित उपयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए पानी के मोल को पहचानने की जरूरत है। जल चक्र को समझने के लिए इसका वर्गीकरण नीले और हरे पानी में किया गया है। झीलों, नदियों और तालाबों में एकत्रित पानी को नीला पानी कहा जाता है। मिट्टी और पौधों में संचित पानी को हरा पानी कहा जाता है। जल–चक्र उस जटिल प्रणाली को कहते हैं, जिसके द्वारा पानी पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। पानी भाप बन कर वायुमंडल में जाता है, जिससे जल वाष्प की बड़ी धाराएं बनती हैं, जो ठंडी एवं संघनित होने के बाद बारिश या बर्फ के रूप में धरती पर गिरती हैं। हरे पानी की आपूर्ति को जिस तरह से नजरअंदाज किया जा है, उसे गंभीरता से लेने और सुरक्षित बनाए रखने की जरूरत है। जल चक्र के लिए यहू पानी उतना ही महत्त्वपूर्ण है, जितना नीला पानी माना जाता है, क्योंकि जब ब पौधे जल वाष्प छोड़ते हैं, तो यह वायुमंडल में चला जाता है, इससे धरती पर होने वाली कुल वर्षा का आधा हिस्सा लौट आता है। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि पेड़–पौधों व वनस्पतियों में प्रदूषण अवषोशित करने की क्षमता निरंतर घट रही रही है। भविष्य में जल चक्र बिगड़ता है, तो भारत में इसका असर कहीं ज्यादा दिखाई देगा। यह स्थिति खाद्य उत्पादन तो घटाएगी ही, पानी की उपलब्ध ाता में भी कमी आ सकती है। दरअसल, हमारी कुछ नीतियां ऐसी हैं, जो जल–चक्र को परिवर्तित कर असंतुलित बना सकती हैं। किसी भी वस्तु में छूट देखने–सुनने में अच्छी लगती है, लेकिन कृषि के के लिए डीएपी खाद पर दी जा रही सबसिडी पानी और राष्ट्र की सकल पूंजी को हानि पहुंचा रही है। दशकों से किसानों को कृषि विभाग और वैज्ञानिक समझा रहे हैं कि नाइट्रोजन का अधिक प्रयोग खेत में न करें। इससे मिट्टी की उर्वरा क्षमता घटती है और फसलों में पानी भी अधिक लगता है धान, गेहूं, कपास और गन्ना मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने पर ज्यादा पानी सोखती हैं। इसीलिए किसानों को मोटा अनाज, दालें व तिलहन पैदा करने और एनपीके खाद डालने को कहा जाता है। मगर एनपीके पर सबसिडी न होने के कारण यह खाद महंगी मिलती है। नतीजतन, किसानों ने इसे लगभग खारिज कर दिया है। सरकार डीएपी पर सबसिडी इसलिए दे रही है कि उसे राजनीतिक हानि न उठानी पड़े। यूरिया डीएपी पर प्रतिवर्ष लगभग दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रत्यक्ष सबसिडी दी जाती है। इस कारण धान और गेहूं की फसल ज्यादा उगाई जाती हैं, क्योंकि ये फसलें ज्यादा मात्रा में पैदा होती हैं और इन्हीं का ज्यादा निर्यात होता है। तमाम प्रोत्साहन के बावजूद किसान बहुफसलीय खेती करने से भी कतरा रहे हैं। इस वजह से देश को दलहन और तिलहन बड़ी मात्रा में आयात करने होते हैं। इनके आयात में बड़ी मात्रा में विदेश पूंजी भी खर्च होती है। यही नहीं, गेहूं–चावल की फसलों में जल प्रबंधन और बिजली व्यवस्था में जो धन खर्च होता है, वह भी अप्रत्यक्ष निर्यात के जरिए नुकसान का सबब बन रहा है। मगर राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में इस हकीकत का न तो खुलासा होता है और न ही विपक्ष इन मुद्दों को संसद में उठाता है। खेती और कृषिजन्य औद्योगिक उत्पादों से जुड़ा यह ऐसा मुद्दा है, जिसकी अनदेखी के चलते पानी का भी निर्यात हो रहा है। इस पानी को श्वर्चुअल वाटरश भी कह सकते हैं। दरअसल, भारत से बड़ी मात्रा में चावल, चीनी, वस्त्र, जूते–चप्पल और फल व सब्जियों का निर्यात होता है। इन्हें तैयार करने में बड़ी मात्रा में पानी खर्च होता है। अब । तो जिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमारे यहां बोतलबंद पानी के संयंत्र लगाए हुए हैं, वे भी इस पानी को अरब देशों को निर्यात कर रही हैं। इस तरह से निर्यात किए जा रहे पानी पर लगाम नहीं लगाई गई तो संकट और बढ़ेगा। जबकि देश के तीन चौथाई घरेलू रोजगार पानी पर निर्भर हैं। आमतौर शुद्ध पानी, तेल और लोहे यह भुला दिया मूल्यवान लोहे की तुलना में कहीं क्योंकि पानी पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में बीस हजार डालर प्रति हेक्टेयर की दर से सर्वाधिक योगदान करता करता है। इस दृष्टि भारत कृषि और इससे संबंधित उत्पादों के जरिए पानी का जो अप्रत्यक्ष निर्यात हो रहा है, वह हमारे भूतलीय और भूगर्भीय दोनों ही प्रकार के जल भंडारों का दोहन करने को बड़ा सबब बन रहा है। दरअसल, एक टन अनाज उत्पादन में एक हजार टन पानी की आवश्यकता होती है। धान, गेहूं, कपास और गन्ने की खेती में सबसे ज्यादा पानी खर्च होता है। इन्हीं का हम सबसे ज्यादा निर्यात करते हैं।

वित्तीय खुशहाली के सपने संजोना

आदित्य

विश्व बचत दिवस, जिसे दुनिया भर में 31 अक्टूबर और भारत में 30 अक्टूबर को मनाया जाता है, वित्तीय कल्याण में बचत की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। इटली के मिलान में 1924 में स्थापित, यह दिवस बचत के महत्व पर जोर देता है और व्यक्तियों को भविष्य की जरूरतों के लिए बचत करने की आदत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। भारत में, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद 1984 में इसे 30 अक्टूबर को मनाया गया। जब दुनिया इस दिन का सम्मान करने के लिए एक साथ आती है, तो वे न केवल पैसे बचाने के कार्य पर जोर देते हैं, बल्कि वित्तीय विवेक, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की आशा के व्यापक मूल्यों पर भी जोर देते हैं। विश्व बचत दिवस लोगों को संसाध ानों को बुद्धिमानी से प्रबंधित करने के लाभों को पहचानने के लिए प्रेरित करता है, वित्तीय साक्षरता की संस्कृ ति को बढ़ावा देता है जो आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बना सकता है। भारत सरकार बचत की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, वित्त मंत्रालय समाज की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बचत उत्पादों की एक विविध श्रृंखला पेश करता है। प्रत्येक योजना न केवल एक वित्तीय उपकरण के रूप में कार्य करती है, बल्कि अधिक सुरक्षित भविष्य की ओर एक कदम के रूप में भी कार्य करती है। इन बचत योजनाओं का संरक्षक, राष्ट्रीय बचत संस्थान वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास करता है। एक चहल–पहल वाले डाकघर की कल्पना करें, जहाँ परिवार खाते खोलने, अपने सपनों में निवेश करने और अप्रत्याशित क्षणों के लिए सुरक्षा जाल बनाने के लिए आते हैं। छैप् राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में संलग्न है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर कोई बचत के लाभों को जानता है, चाहे वह बच्चे की शिक्षा के लिए हो या आरामदायक सेवानिवृत्ति के लिए। इनमें डाकघर बचत खाता भी शामिल है, जो व्यक्तियों को रू500 की न्यूनतम जमा राशि के साथ बचत शुरू करने के लिए आमंत्रित करता है और रू10,000 तक की राशि पर कर–मुक्त ब्याज प्रदान करता है। परिवार अक्सर राष्ट्रीय बचत आवर्ती जमा खाता चुनते हैं, जो अनुशासित मासिक योगदान को प्रोत्साहित करता है, जिससे उन्हें अपनी आकांक्षाओं के लिए हर महीने केवल रू100 की बचत करने की अनुमति मिलती है। दीर्घकालिक सुरक्षा का सपना देखने वालों के लिए, सार्वजनिक भविष्य निधि योजना 15 वर्षों में बचत को बढ़ावा देती है, कर–मुक्त ब्याज और निकासी और ऋण के लिए लचीलापन प्रदान करती है। हाल ही में लॉन्च किया गया महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, 7.5ः प्रति वर्ष की उच्च ब्याज दर के साथ महिलाओं को सशक्त बनाता है, जिससे अपनी बेटियों के भविष्य में निवेश करने के इच्छुक परिवारों में उत्साह पैदा होता है। इस बीच, सुकन्या समृद्धि खाता विशेष रूप से बालिकाओं के माता–पिता का समर्थन करता है, जिससे उन्हें शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए बचत करने की अनुमति

मिलती है। राष्ट्रीय बचत (मासिक आय खाता) योजना सुनिश्चित करती है कि परिवार नियमित आय प्राप्त कर सकें, जिसकी परिपक्वता अवधि पाँच वर्ष है और ब्याज का भुगतान मासिक रूप से किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, जिसमें न्यूनतम रू1,000 और अधिकतम रू15 लाख का निवेश करने की अनुमति है, जिससे सेवानिवृत्ति के दौरान एक स्थिर आय सुनिश्चित होती है। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र कर छूट के साथ एक सुरक्षित निवेश विकल्प प्रदान करता है, जबकि किसान विकास पत्र परिपक्वता पर पैसे को दोगुना करने की अनुमति देता है, जिससे यह कई बचतकर्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाता है। कम उम्र से ही जिम्मेदार वित्तीय आदतों को बढ़ावा देने की भावना में, नई शुरू की गई राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली वात्सल्य चमक रही है। नाबालिगों के लिए डिजाइन की गई यह योजना माता–पिता को हर महीने कम से कम रू1 ,000 निवेश करने की अनुमति देती है, जिससे उनके बच्चों की वित्तीय यात्रा के लिए मंच तैयार होता है। यह सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं हैय यह एक सुरक्षित भविष्य की नींव रखने के बारे में है, जो बच्चों को वयस्क होने से पहले ही बचत का महत्व सिखाता है। विश्व बचत दिवस बचत की शक्ति, वित्तीय सुरक्षा के महत्व और एक उज्जवल कल की आकांक्षा पर आधारित एक दर्शन को अपनाता है। यह दिन सभी को अपने संसाधनों को संजोने, अपने सपनों में निवेश करने और भविष्य की पीढ़ियों को बचत का ज्ञान देने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है, जिससे वित्तीय साक्षरता और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

भविष्य के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण

विनोद

समिति द्वारा अनुशंसित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरूआत के साथ भारत का शिक्षा परिदृश्य एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है। जुलाई 2020 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित इस ऐतिहासिक नीति का उद्देश्य प्रारंभिक बचपन से लेकर उच्च शिक्षा तक सीखने में समावेशिता, गुणवत्ता और प्रासंगिकता सुनिश्चित करते हुए देश की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। इस व्यापक गाइड में, हम एनईपी 2020 की मुख्य विशेषताओं और निहितार्थों पर प्रकाश डालेंगे, और भारत में शिक्षा के भविष्य को आकार देने की इसकी क्षमता की खोज करेंगे। एनईपी कब लागू होगी? एनईपी को 2023–2024 शैक्षणिक वर्ष के दौरान लागू किया जाना शुरू हुआ। इसे भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा लागू किया जाएगा। इससे क्या बदलाव आएगा? एनईपी ने विभिन्न बदलाव लाए, जिनमें पाठ्यक्रम में अपडेट, ग्रेड संरचना में संशोधन और भारतीय शैक्षिक प्रणाली के कामकाज में मूलभूत परिवर्तन शामिल हैं। एनईपी का लक्ष्य क्या हासिल करना है? एनईपी का लक्ष्य कई प्रवेशधनिकास विकल्पों के साथ एक समग्र बहु–विषयक शिक्षा बनाना है जो शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता और तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देता है। क्या एनईपी परीक्षाओं को पूरी तरह खत्म कर देता है, या उन्हें नया स्वरूप देता है? जबकि कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं जारी रहेंगी, कोचिंग कक्षाओं की आवश्यकता को कम करने के लिए उन्हें फिर से डिजाइन किया जाएगा। छात्र अपनी रुचि के आधार पर विषयों का चयन कर सकते हैं, और परीक्षा याद रखने के बजाय मुख्य कौशल पर केंद्रित होगी। परीक्षाएं भी आसान होंगी, जिससे सभी छात्र बुनियादी प्रयास से उत्तीर्ण हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त, आवश्यकता पड़ने पर छात्र सुधार के लिए वर्ष में दो बार परीक्षा दे सकते हैं। अब, आइए राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर करीब से नजर डालें। यह व्यापक विश्लेषण आपके सभी प्रश्नों का समाधान करेगा और एनईपी में अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। एनईपी 2020 की नींवरू समावेशी और न्यायसंगत शिक्षारू समावेशी शिक्षा पर एनईपी का ध्यान सतत विकास लक्ष्य 4 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है। इसका उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि या क्षमताओं के बावजूद, सभी शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करना है। एनईपी हाशिए पर रहने वाले समुदायों, जैसे कि लड़कियों और विकलांग बच्चों, को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। गुणवत्ता और प्रासंगिकतारू 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। एनईपी छात्रों को भविष्य के कार्यबल के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण की वकालत करता है। एनईपी 2020 की मुख्य विशेषताएंरू वर्तमान में, 102 शैक्षिक संरचना में 3–6 वर्ष की आयु के बच्चे शामिल नहीं हैं, क्योंकि औपचारिक स्कूली शिक्षा आम तौर पर कक्षा 1 के साथ 6 साल की उम्र में शुरू होती है। हालांकि, नए 5334 ढांचे के तहत, प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई)) 3–6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एकीकृत है, जिसका लक्ष्य शुरुआती चरणों से ही उन्नत शिक्षा, विकास और कल्याण को बढ़ावा देना है। प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई)रू एक बच्चे के मस्तिष्क का 85ः से अधिक संचयी विकास 6 वर्ष की आयु से पहले होता है, जो स्वस्थ मस्तिष्क के विकास और विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक वर्षों में मस्तिष्क की उचित देखभाल और उत्तेजना के महत्वपूर्ण महत्व को दर्शाता है। एनईपी 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ईसीसीई तक सार्वभौमिक पहुंच की कल्पना करता है। यूनिसेफ के अनुसार, प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में निवेश से महत्वपूर्ण रिटर्न मिलता हैखर्च किए गए प्रत्येक डॉलर के परिणामस्वरूप दीर्घकालिक लाभ में +17 तक का रिटर्न मिलता है। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकतारू पढ़ने और लिखने और संख्याओं के साथ बुनियादी संचालन करने की क्षमता, सभी भविष्य की स्कूली शिक्षा और आजीवन सीखने के लिए एक आवश्यक आधार और एक अनिवार्य शर्त है। पूरे प्रारंभिक और मिडिल स्कूल पाठ्यक्रम में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर और आम तौर पर पढ़ने, लिखने, बोलने, गिनती, अंकगणित और गणितीय सोच पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। यूनेस्को के अनुसार, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी स्कूल–आयु आबादी है, जो मजबूत शैक्षिक सुध ारों के महत्व पर प्रकाश डालता है। स्कूली शिक्षारू एनईपी ग्रेड 6 से समग्र विकास, बहु–विषयक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण की वकालत करता है। उच्च शिक्षारू एचईआई के लिए एकल नियामक निकाय, लचीले पाठ्यक्रम और अनुसंधान और नवाचार पर जोर सहित सुधारों का प्रस्ताव है। त्रिभाषा सूत्र और बहुभाषी सीखने की प्रक्रिया शोध से पता चलता है कि बच्चे 2 से 8 साल की उम्र के बीच तेजी से भाषाएँ सीखते हैं, और कई भाषाएँ बोलने में सक्षम होने से युवा छात्रों के लिए कई संज्ञानात्मक लाभ होते हैं। त्रि–भाषा योजना का उपयोग अभी भी किया जाएगा। यदि छात्र सीखी जा रही तीन भाषाओं में से एक या अधिक भाषाएँ बदलना चाहते हैं, तो वे ग्रेड 6 या 7 में ऐसा कर सकते हैं। उन्हें बस यह दिखाना होगा कि वे बुनियादी स्तर पर तीन भाषाएँ बोल सकते हैं। पोषण कौशलरू यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र महत्वपूर्ण कौशल सीखें, एनईपी पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को एक साथ जोड़ता है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग और व्यावसायिक कौशल जैसे आधुनिक विषयों को जोड़ना शामिल है। डिजिटल कौशल जैसे कोडिंग और कंप्यूटर को समझना। पर्यावरण शिक्षा भी शामिल होगी। आकलन और मूल्यांकनरू योग्यता–आधारित मूल्यांकनरू समग्र सीखने के परिणामों को मापने के लिए रटने की बजाय योग्यता–आध ारित मूल्यांकन की ओर बदलाव। एनईपी वार्षिक रिपोर्ट कार्ड से समग्र प्रगति कार्ड में परिवर्तन का प्रस्ताव करता है रचनात्मक मूल्यांकन प्रथाएँरू समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करने और छात्रों के सीखने में सहायता करने के लिए रचनात्मक मूल्यांकन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना। सहकर्मी मूल्यांकन, स्व–मूल्यांकन और फीडबैक–उन्मुख मूल्यांकन छात्रों को अपने सीखने का स्वामित्व लेने और अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए सशक्त बना सकते हैं। छात्रों की अद्वितीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करनारू प्रत्येक छात्र में अद्वितीय प्रतिभाएँ होती हैं जिन्हें खोजने और निखारने की आवश्यकता होती है। यदि कोई छात्र किसी निश्चित क्षेत्र में असाधारण योग्यता दिखाता है, तो उसे आगे खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शिक्षक उन विषयों में अतिरिक्त सामग्री और प्रोत्साहन प्रदान करेंगे जिनके प्रति छात्र भावुक हैं। इसमें विज्ञान या गणित मंडल, संगीत और नृत्य प्रदर्शन, शतरंज, कविता, भाषाएँ, नाटक, वाद–विवाद, खेल, या इको और योग क्लब जैसी गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं। शिक्षक–छात्र अनुपातः वर्तमान शिक्षक–छात्र अनुपातरू यूनेस्को के अनुसार, भारत में शिक्षक–छात्र अनुपात लगभग 1रू32 है, जो अतिरिक्त शिक्षण स्टाफ की आवश्यकता को उजागर करता है। आदर्श शिक्षक–छात्र अनुपातरू एनईपी का लक्ष्य व्यक्तिगत ध्यान और प्रभावी सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों में शिक्षक–छात्र अनुपात को 1रू25 तक कम करना है। शिक्षक सशक्तिकरणरू शिक्षकों को अपने कौशल और शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना। नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट (निष्ठा) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों को शैक्षणिक तकनीकों और नवीन शिक्षण विधियों में प्रशिक्षित करना है। स्कूल संरचना और द्रव प्रवेशय योजनारू द्रव विद्यालय प्रवेश योजनारू एनईपी एक लचीली स्कूल प्रवेश और निकास योजना का प्रस्ताव करता है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि और योग्यता के आधार पर विभिन्न चरणों में प्रवेश और निकास की अनुमति मिलती है। बहुविषयक शिक्षारू स्कूल बहु–विषयक शिक्षा प्रदान करेंगे, जिससे छात्रों को कला, विज्ञान, व्यावसायिक पाठ्यक्रम और खेल में विषय चुनने की अनुमति मिलेगी। ड्रॉपआउट रोकथाम पर एनईपी का फोकसरू स्कूली शिक्षा प्रणाली का एक प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि बच्चों का नामांकन हो और स्कूल जा रहे हैं. ग्रेड 6–8 के लिए जीईआर–सकल नामांकन अनुपात 90.9ः था, जबकि ग्रेड 9–10 और 11–12 के लिए यह क्रमशः 79.3ः और 56.5ः था – यह दर्शाता है कि नामांकित छात्रों का एक महत्वपूर्ण अनुपात ग्रेड 5 के बाद पढ़ाई छोड़ देता है। और विशेषकर कक्षा 8 के बाद। 2030 तक प्रीस्कूल से माध यमिक स्तर तक 100ः सकल नामांकन अनुपात हासिल करने के लक्ष्य के साथ, इन बच्चों को जल्द से जल्द शैक्षिक दायरे में वापस लाना और आगे के छात्रों को पढ़ाई छोड़ने से रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। समग्र साक्षरता दररू भारत की साक्षरता दररू भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की समग्र साक्षरता दर 74.04ः है, जो हाल के दशकों में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। साक्षरता पर एनईपी का प्रभावरू एनईपी का लक्ष्य नवीन शिक्षण विधियों, समावेशी शिक्षा प्रथाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से 100ः युवा और वयस्क साक्षरता हासिल करना है। प्रौद्योगिकी की भूमिकारू डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चररू ऑनलाइन शिक्षण और शैक्षिक संसाध ानों तक पहुंच का समर्थन करने के लिए मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण। भारत सरकार द्वारा लॉन्च किया गया सभवमन प्लेटफॉर्म विभिन्न संस्थानों से मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो देश भर के शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्रदान करता है। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों का एक राष्ट्रीय भंडार होगा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) पर उपलब्ध ा कराया गया। कस्तूरीरंगन समिति और उसकी सिफारिशेंरू कस्तूरीरंगन समितिरू एनईपी कस्तूरीरंगन समिति की सिफारिशों से प्रभावित थी, जिसने शिक्षा क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यापक सुधारों का प्रस्ताव रखा था। सिफारिशें लागू की गईंरू कस्तूरीरंगन समिति की कई सिफारिशें, जैसे स्कूली शिक्षा का पुनर्गठन और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर, को एनईपी में शामिल किया गया है। एनईपी 2020 पिछली नीतियों से कैसे अलग है? पिछली शिक्षा नीतियां मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित थीं कि हर किसी की शिक्षा तक पहुंच हो। नई नीति उन लक्ष्यों को संबोधित करती है जो 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पूरी तरह से हासिल नहीं किए गए थे, जिसे 1992 में अद्यतन किया गया था। तब से एक महत्वपूर्ण बदलाव बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अध ानियम 2009 है, जिसने सभी बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना एक कानूनी आवश्यकता बना दिया है। निष्कषर्रू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत में शैक्षिक सुधार के एक नए युग की शुरुआत करती है।

जटिल फॉर्म और आईटी प्रक्रियाओं में सुधार

ललित

कुरूपता, अपराध और आपदा डार्विन को सृष्टि के सिद्धांतों का स्वामी घोषित करते हैं। यदि इन तीनों का श्रेय ईश्वर को दिया जाता है तो विश्वासियों को यह बहुत अजीब लगना चाहिए कि ये दैवीय गर्भध ारण की चीजें हैं। स्टिकी स्टफ से, सू पुग्लू द्वारा, एस्पेरांतो से बच्चू द्वारा ट्र। मेरा यूके पासपोर्ट और मेरा ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड स्पेन की मेरी हाल की यात्रा के दौरान मुझसे छीन लिया गया। मैं चोरी नहीं कहूंगा क्योंकि मैंने लापरवाही से उन्हें एक सीट पर एक सूती कंधे के बैग में छोड़ दिया था जब मैं मेजरका हवाई अड्डे पर हिंडोले से सामान निकालने गया था, जहां मैं एक कार्य यात्रा पर था। मैं ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास से एक अस्थायी पासपोर्ट प्राप्त करके स्पेन से वापस आया, और अब सोचा कि मुझे एक नया पासपोर्ट और एक नया ओसीआई कार्ड प्राप्त करना होगा क्योंकि मुझे नवंबर के मध्य में

मुंबई में टाटा लिटरेरी फेस्टिवल और फिर एक सप्ताह बाद गोवा फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टर–क्लास आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया इसे तुरंत स्वीकार कर लिया गया और पांच दिनों के भीतर डाक से नया पासपोर्ट आ गया। और फिर ब्ब् कार्ड की कहानी शुरू हुई। मैंने ळववहसम से पूछा कि मुझे क्या करना चाहिए और मुझे एक ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए निर्देशित किया गया। इस फॉर्म में सिर्फ मेरे खोए हुए ब्ब् कार्ड की तस्वीर और कुछ व्यक्तिगत विवरण की आवश्यकता नहीं थी। इसमें मुझसे चोरी के बारे में पुलिस को दी गई मेरी रिपोर्ट की एक प्रति मांगी गई। मैं पुलिस स्टेशन गया और एक कॉपी ले आया। पहला कदम पूरा हुआ। फिर फॉर्म में मेरा नाम, लिंग, तारीख, जन्म का देश और शहर पूछा गया। फिर इसमें ष्पहचान के निशानष के बारे में पूछा गया। मैंने इसका मतलब समुद्री डाकू की आँख पर पट्टी से नहीं लिया जिसे मैं अपने समुद्री झुकाव को दिखाने के लिए लगातार पहनता हूँ, बल्कि यह कि क्या मेरी भौंहों के बीच बिंदी जैसा लाल जन्मचिह्न है। मैंने कहा ष्कोई नहींष। फिर मेरे पिता का नाम और पेशा और मेरी माँ का नाम और पेशा (?) और निश्चित रूप से उनकी दोनों राष्ट्रीयताएँ। अगला सवाल था ष्मूल भारतीय के साथ संबंधष। क्या??? मैंने डैडी को चुना और ष्पिताष भर दिया। फिर फॉर्म में न केवल मेरा वर्तमान पासपोर्ट नंबर बल्कि मेरे पिछले पासपोर्ट नंबर, मेरा व्यवसाय और मेरे नियोक्ता का नाम और पता मांगा गया। तीसरी शीट में मुझसे 16 सवाल पूछे गए। कुछ बेहद बेतुके थे। इनमें से दूसरे में पूछा गयारू "क्या आपने अपना पिछला ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड सरेंडर कर दिया हैध्रद्द करवा लिया है?" अगर, प्रिय पाठक, आप एक ऐसा फॉर्म भर रहे हैं जिसकी शुरुआत आपके ब्ब् कार्ड के खो जाने या चोरी हो जाने की रिपोर्ट से होती है, तो इस सवाल का आपका जवाब क्या होगा? आपराधिक दोषसिद्धि, "मानव तस्करी/मादक पदार्थों की तस्करी/बाल शोषण/ महिलाओं के खिलाफ अपराध/आर्थिक अपराध ा/जासूसी /नरसंहार/ साइबर अपराध/वित्तीय धोखाध ड़ी/आतंकवादी गतिविध ियों/राजनीतिक हत्या/हिंसा के अन्य कृत्यों" में संलिप्तता के बारे में अन्य सवाल थे? नरसंहार?? क्या पुतिन या नेतन्याहू ब्ब् कार्ड के लिए आवेदन कर रहे हैं? फिर फॉर्म में "सेक्शन बी" में एक फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करने के लिए कहा गया। मैंने दोनों को अपलोड करने की कोशिश की, जो मेरे कंप्यूटर में संग्रहीत थे, लेकिन बार–बार कहा गया कि उनमें से कोई भी आकार और गुणवत्ता के लिए बहुत अस्पष्ट, अकल्पनीय (आखिरकार मेरे द्वारा) तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप नहीं था। मुझे लगा कि मुझे एक ऐसे दोस्त की मदद लेनी चाहिए जो थोड़ा आईटी–वाला था और इसलिए मुझे बाद में फॉर्म भरना फिर से शुरू करना होगा। मैंने ष्बाद में फिर से शुरू करेंष विकल्प दबाया और एक उत्तर आया जिसमें मुझे स्क्रीन पर अपना अधूरा आवेदन वापस लाने के लिए उपयोग करने के लिए बारह अंकों की संख्या दी गई। जब मैंने अपनी खोज फिर से शुरू की, तो मैंने इस नंबर का उपयोग करने की कोशिश की। कुछ नहीं। कंप्यूटर ने मुझे बिल्कुल शुरुआत में वापस निर्देशित किया। मैंने फिर से शुरू किया। हाँ, वही सारी बेतुकी बातें और गतिरोध! प्रिय पाठक, मैंने ऐसा सत्रह बार किया। कोई अतिशयोक्ति नहीं। यह ऐसा लगा जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय के पुरुष ज्ञस्च्क कहते हैं। मेरा आईटी–वाला दोस्त आया और मेरे साथ चार घंटे बिताए और वही समस्याएँ झेलीं, लेकिन आखिरकार सभी दस्तावेज अपलोड और भेजे गए। बढ़िया! मुझे अगले दिन भारतीय उच्चायोग के वीजा जारी करने वाले कार्यालय में जाने का समय मिला। मैं भरे हुए फॉर्म लेकर गया, जिन्हें उन्होंने स्वीकार करके वापस कर दिया था, और मेरे पासपोर्ट और रद्द किए गए पुराने पासपोर्ट आदि जैसे दस्तावेज भी। ब्यूरो में बैस्टिल की तरह भीड़ उमड़ रही थी। डेढ़ घंटे तक कतार में खड़े रहने के बाद, मैंने अपने भरे हुए फॉर्म आदि को OCI आवेदनों के लिए समर्पित एकल डेस्क पर बैठी महिला को सौंप दिया। मेरे पीछे कतार में तब तक कम से कम तीस लोग थे। क्या आखिरी आदमी या औरत रात के खाने के समय तक घर पहुँच पाएगा?

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या की मासिक बैठक एवं सम्मान समारोह संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या धाम की मासिक बैठक और सम्मान समारोह पाठक आटो पार्ट परिसर हरिंग्टनगंज अयोध्या में संपन्न हुआ कार्यक्रम अयोध्या के पाठक ऑटो पार्ट्स परिसर हरिंग्टनगंज में हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के सम्पर्क टोली सदस्य और एन डी युनिवर्सिटी कुमार गंज के कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह भाई साहब और विशिष्ट अतिथि जी एस टी कमिश्नर सेवा निवृत्त श्री मान इन्द्र प्रकाश तिवारी जी रहे कार्यक्रम के और अतिथि विश्व हिन्दू परिषद के जिला संगठन मन्त्री आलोक जी ने शिरकत की । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई जिसमें आए हुए सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर परिषद के पदाधिकारी ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में अपना अध्यक्षीय भाषण देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के सम्पर्क टोली सदस्य श्रीमान विनोद जी भाई साहब जी ने कहा की अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद भारतीय परंपरा में पूर्व सैनिकों के लिए मिल का पत्थर है इसके माध्यम से राष्ट्रीय प्रथम की भावना के साथ पूर्व सैनिक पूरे भारत में हर महत्वपूर्ण स्थान पर सैन्य जीवन के बाद सेवानिवृत होकर के अपने सामाजिक दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रहा है चाहे वह राम मंदिर हो चाहे वह अन्य महत्व के मुद्दे हो हर जगह पूर्व सैनिक परिषद के माध्यम से अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है वह राष्ट्र के लिए समर्पित होकर के अपने आप को स्वाहा करने में कोई कसर छोड़ नहीं रहा है। विनोद भाई साहब ने एक संस्मरण सुनाते हुए बताया कि किस तरीके से भारतीय सेना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं कार्यक्रम में बोलते हुए श्री इन्द्र प्रकाश तिवारी जी ने यह स्वीकार किया कि पूर्व सैनिक स्व अनुशासन में रहकर अपने आप को देश और समाज के लिए समर्पित करता है यह अपने अनुशासन प्रियता अपनी कर्तव्य निष्ठा और अपने दायित्व बोध को समझते हुए हर जगह कुशलता के साथ कार्य करता रहता है

जिला अध्यक्ष श्री प्रकाश पाठक ने अपने उद्बोधन में बोलते हुए बताया की पूर्व सैनिक परिषद पूरे भारत में अच्छा कार्य कर रही है अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या धाम की ईकाई के पुनर्गठन जबसे हुआ है यह लगातार पूरे जनपद में अपने कार्य क्षेत्र को विस्तार दे रही है और यह प्रमाणित कर दिया है की कर्तव्य को कर्तव्य भावना से करना चाहिए। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अयोध्या पदाधिकारी और वर्तमान में विश्व हिंदू परिषद की तरफ से तीर्थ क्षेत्र पुरम अयोध्या धाम के संयोजक अयोध्या धाम के संगठन मंत्री आलोक जी भाई साहब ने हिंदू संगठन और उसमें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के योगदान की वृहद चर्चा की कार्यक्रम में स्वागत संभाषण देते हुए अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाश पाठक ने सबका स्वागत किया और श्रीमद् भागवत गीता में कर्तव्य के भाव का अनुशरण करते हुए यह बताया कि आज पूर्व सैनिक परिषद के सभी सदस्यों का सौभाग्य है की मासिक बैठक में में कितने सारे अतिथि हमारे बीच पधारे हुए हैं कार्यक्रम का समापन उद्बोधन और धन्यवाद ज्ञापन अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अयोध्या के संरक्षक कैप्टन जेपी द्विवेदी ने किया । यह कार्यक्रम हवल दार विजय कुमार पाठक के संयोजन में संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन कैप्टन हनुमान दत्त मिश्र ने किया सबका धन्यवाद ज्ञापन अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के उपाध्यक्ष नायब सूबेदार कपिल देव सिंह ने किया अतिथियों का परिचय अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या के सचिव कैप्टन क तिवारी ने करवाया।

इस कार्यक्रम में दो पूर्व सैनिकों को उनके कर्तव्य निष्ठा के लिए सम्मानित किया गया उनमें नायक सूबेदार सिद्धनाथ शर्मा और हवलदार लाखनसिंह शामिल रहे मासिक बैठक में कई प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया जिसमें हरिंग्टनगंज के अध्यक्ष के रूप में हवलदार लाखनसिंह और संरक्षक के रूप में सुबेदार बी बी सिंह को चुना गया । कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संरक्षक जगदीश प्रसाद द्विवेदी कैप्टन के के तिवारी कैप्टन भगवान दास तिवारी कैप्टन शिव कुमार पाण्डेय संघ चालक राम नगर भवानी भीख पाण्डेय घनश्याम सिंह रणविजय सिंह हरीश सिंह रामसेवक सुरेश कुमार द्विवेदी सिद्धनाथ शर्मा राधेश्याम उपाध्याय जयसवाल स्वतंत्र पांडे दिनेश चंद्र पांडे ए बिंदेश्वरी प्रसाद पांडे एसके पांडे सुरेश कुमार सिंह रमेश कुमार सिंह नीलकंठ पांडे सूबेदार मेजर सुनील कुमार तिवारी सूबेदार मेजर अजीत सिंह सूबेदार मेजर अमित सिंह सूबेदार मेजर रमाकांत तिवारी कैप्टन राजेश द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मैं सुजानगंज हूं नामक पुस्तक का हुआ विमोचन

सुजानगंज। क्षेत्र के नगौली स्थित राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे सुजानगंज पुस्तक का विमोचन राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने किया. विमोचन करते हुए उन्होंने कहा की इस किताब से आने वाली पीढ़ी को निश्चित रूप से सिखने को मिलेगा और उन्हें सुजानगज के बारे मे सही और सटीक जानकारी प्राप्त होंगी. यह निश्चित रूप से योगेश जी का एक सराहनीय कार्य है.यह किताब योगेश मिश्रा द्वारा लिखा गया है जिसमे सुजानगंज की सांस्कृतिक, राजनितिक, शैक्षिक, धार्मिक, आदि विषयो पर प्रकाश डाला है. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत कमिश्नर राम सूरत दुबे ने किया. इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि ब्लॉक प्रमुख पति श्री प्रकाश शुक्ला, और आयोजक वेद प्रकाश त्रिपाठी रहे. कार्यक्रम शुभारंभ सरस्वती वंदना से खुशी और मुस्कान मिश्र ने किया स्वागत गीत सौरभ मिश्र व मंगलाचरण – आस्था कीर्ति पांडे एवं लोक गीत – रिशा गिरी तथा संचालन कृष्ण कुमार उपाध्याय ने किया. इस मौके पर संतोष द्विवेदी, जय प्रकाश त्रिपाठी, अवधेश तिवारी, राजेश सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

अनुराग यादव के हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने डीएम–एसपी से मिलकर न्याय की लगाई गुहार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरउद्दीनपुर गांव में विगत 30 अक्टूबर को दिनदहाड़े जमीनी विवाद में अनुराग यादव (17) की तलवार से काटकर हुई हत्या के मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नाराज परिजनों ने सोमवर को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा से कलेक्ट्रेट सभागार में मुलाकात कर हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाईकी की मांग किया है।

पीड़ित परिवार का कहना है कि वो बीते छ दिनों में अबतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।पुलिस आरोपी को बचा रही है। आरोपित को थाने पर बैठक उनका सम्मान करने में जुटी है।

मृतक अनुराग यादव के पिता रामजीत यादव अपने बेटियों के साथ डीएम एसपी से मिलने के बाद मीडिया से बाद करते हुए फफक फफककर रो पड़े। बोले अब तक की प्रशासन की कार्यवाही से संतुष्ट नही है।बहने बोली मेरे भाई को सरेआम गला काटकर हत्या कर दी गयी उसके बाद हत्यारे ने बड़े आराम से पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।उसको बिना हथकड़ी के मेहमान नवाजी के साथ स्कोर्पियो गाड़ी में बैठाकर कोर्ट में पेश किया गया।एसओ के ऊपर कोई कार्यवाही नही हुई। एक आरोपी जिसका नाम राजकुमार है का प्रार्थना पत्र में नाम नही डाला गया वह सीना तान के हम लोगो के सामने रहता है। आज डीएम व एसपी साहब ने कहा है तीन दिन में कार्यवाही शुरू कर देंगे।

जौनपुर के पत्रकारों ने डीएम के माध्यम से सीएम को भेजा पत्रक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। फतेहपुर के पत्रकार दिलीप सैनी की गत दिवस गोली मारने के साथ ही चापड़ एवं चाकूओं से गोंद कर निर्मम हत्या का मामला तूल पकड़ रहा है। जनपद के सैकड़ों पत्रकारों ने सोमवार को मुख्यमंत्री को सम्बोधित 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसके पहले सभी पत्रकार कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित पत्रकार भवन पर एकत्रित हुये जहां से वे जिलाधिकारी से मिले और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम सम्बोधित मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपे। इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि दिलीप सैनी के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार करके कड़ी सजा दिलायी जाय। साथ ही मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देते हुये परिवार के किसी एक जिम्मेदार को सरकारी घ्नौकरी दी जाय।

बीते 30कृ31 अक्टूबर की मध्य रात्रि को दिलीप की निर्मम हत्या कर दी गयी। परिजनों की तहरीर पर नामजद प्राथमिकी तो दर्ज कर ली गयी है लेकिन समाचार लिखे तक किसी की गिरफ्तारी न होना पुलिसिया तंत्र पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

इसके साथ ही पत्रकारों ने कहा कि पत्रकारों की सेवा को देखते हुये आयुष्मान कार्ड बनवाया जाय। वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध करायी जाय। देश के चौथे स्तम्भ पर आये दिन हो रहे हमले एवं हत्या को देखते हुये पत्रकार सुरक्षा कानून नामक अध्यादेश लागू किया जाय।

इस मौके पर विजय प्रकाश मिश्रा, शशिराज सिन्हा, प्रमोद जायसवाल, राजेश श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, विश्वप्रकाश श्रीवास्तव, रामजी जायसवाल, अजीत सिंह, संजय अस्थाना, देवेन्द्र खरे , राकेश पाण्डेय, राममूर्ति यादव,अजीत बादल, आशीष श्रीवास्तव,ब्रजेश विश्वकर्मा संजय चौरसिया, राजन मिश्रा, राज सैनी, नितिश कुमार, असलम खान, रमेश यादव, सत्येद्र तिवारी शिशू, सुशील तिवारी, वीरेंद्र पांडेय, अरविंद पटेल, बरसाती लाल कश्यप,पंकज मिश्रा, गुलजार अली, ब्रजेश मिश्रा, सुनील सिंह, काजू सिंह,समेत भारी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज परिसर मे हर्षोल्लास पूर्वक मना भगवान चित्रगुप्त की जयंती

अयोध्या। रविवार को चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज अयोध्या धाम में कलम दवात पूजन समारोह एवं मंदिर कार्यालय का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस मौके पर मुख्य अतिथि पीयूष चंद्रा ने भगवान चित्रगुप्त के अवतरण की कथा पर प्रकाश डाला।विशिष्ट अतिथि धर्माचार्य अजय मिश्रा जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ अयोध्या ने बताया किस तरह से दीपावली के बाद 24 घंटे कायस्थ वंशज कलम नहीं चलाते। डॉक्टर अंजली श्रीवास्तव ने चित्रगुप्त का नाम कायस्थ क्यों पड़ा इस पर प्रकाश डाला।वहीं भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने सभी चित्रांश वंशजों को एक जुट,एक साथ एक जगह चित्रगुप्त मंदिर में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से कलम दवात का पूजन करने का आवाहन किया।इस अवसर पर सभी अतिथियों का चित्रांग सेवा ट्रस्ट के द्वारा अंग वस्त्र भेट करके अभिनंदन किया गया।वरिष्ठ ट्रस्टी एवं अतिथियों के द्वारा चित्रगुप्त कमेटी के पदाधिकारियो को प्रोत्साहित करने के लिए वीरेंद्र कुमार शैलेष कुमार , सुरेश चंद्र ,विजय कुमार श्रीवास्तव , शिव शंकर , सचिन शंकर , अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव को सम्मानित किया।इस अवसर पर शहर के नागरिकों की उपस्थिति में चित्रगुप्त मंदिर के वरिष्ठ ट्रस्टी अविनाश चंद्रा,रमेश चंद अनिल कुमार, सत्य प्रकाश, कैलाश लाल श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष चित्रांश सेवा ट्रस्ट,सुभाष चंद्र,नगर कार्यवाहक अमित शंकर ,प्रदीप शंकर, हिरदेश ,पंडित मनीष श्रीवास्तव, जितेंद्र, आर के श्रीवास्तव,अजय शंकर, ओमप्रकाश गौरव, आलोक, आनन्द श्रीवास्तव एवं कई चित्रांश वंशज इस शुभ कार्य के साक्षी बने स अंत में चित्रगुप्त मंदिर के अध्यक्ष के सी श्रीवास्तव ने आए हुए सभी भक्तजनों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए।चित्रगुप्त मंदिर जीर्णोधार की विकास यात्रा तथा दान दाताओं का आभार व्यक्त करते हुए चित्रांग सेवा ट्रस्ट के पूर्व वर्ष 2023–2024 का विवरण प्रस्तुत किया स

सात नवंबर को सायंकाल पांच बजे मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ छठ पूजा कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय के नेतृत्व में 40 वां छठ पूजा महापर्व का आयोजन 7 एवं 8 नवंबर 2024 को छठ घाट लक्ष्मण मेला मैदान गोमती तट पर आयोजित होने जा रहा है।

इसी संदर्भ में आज छठ घाट, लक्ष्मण मेला मैदान, गोमती तट लखनऊ पर विस्तृत प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें छठ पूजा से संबंधित सभी जानकारी को विस्तृत रूप से साझा किया गया।

7 नवंबर को सायंकाल

5:00 बजे मुख्य अतिथि परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार छठ घाट, लक्ष्मण मेला मैदान, गोमती तट लखनऊ पर आकर अर्घ्य देंगे और विधिवत छठ पूजा कार्यक्रम की उद्घाटन करेंगे। उनके साथ ही माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी उपमुख्यमंत्री, माननीय बृजेश पाठक जी उपमुख्यमंत्री, माननीय सूर्य प्रताप शाही जी कृषि मंत्री, माननीय भूपेंद्र चौधरी जी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा, माननीय धरमपाल जी संगठन महामंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश, माननीय स्वतंत्र देव सिंह जी जल शक्ति मंत्री, माननीय ए0 के0 शर्मा जी ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री, माननीया सुषमा खर्कवाल जी महापौर लखनऊ, वरिष्ठ भाजपा युवा नेता नीरज सिंह जी, श्री आनंद द्विवेदी जी महानगर अध्यक्ष लखनऊ आदि अन्य सम्मानित अतिथिगण छठ पूजा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

इस कार्यक्रम में भोजपुरी लोक संस्कृति, लोक कला एवं लोक गायन के अलग–अलग विधाओं से जुड़े लगभग डेढ़ सौ कलाकार आ रहे हैं। जो 7 नवंबर को दोपहर 2रू00 बजे से 8 नवंबर को सुबह 7:00 तक लगातार 18 घंटे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। जिसमें मुंबई से लोक गायक सुरेश शुक्ला जी, राकेश तिवारी जी, लखनऊ के सुप्रसिद्ध भजन गायक किशोर चतुर्वेदी जी, स्वाति रिजवी जी, उमेश कनौजिया जी (धोबिया नृत्य) अवधेश पुत्र सुप्रसिद्ध लोक गायक बालेश्वर जी, सुरेश कुशवाहा जी, अंगद राम ओझा ,संजय लाल यादव, एसपी चौहान, संतोष कुमार बनारसी, उपमा पांडे, जया, रवि शंकर देहाती, अंकिता सिंह आदि अन्य कलाकारों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

भगवान सूर्य की पूजा आदिकाल से होते आ रही है। पहले बिहार में ही छठ पूजा का शुरुआत हुआ। धीरे–धीरे पूरी दुनिया में छठ पूजा का आयोजन हो रहा है। भोजपुरी के लोग जहां भी गए अपनी बोली भाषा, संस्कृति को वहां तक ले गए। इस समय आधी दुनिया में छठ पूजा मनाई जा रही है। छठ पूजा भगवान सूर्य की पूजा है। साक्षात सूर्य भगवान देव हैं। उनकी पूजा करने से आदमी निरोगी रहता है। सभी महिलाएं अपनी पति, पुत्र की दीर्घआऊ होने के लिए व्रत करती हैं। छठ पूजा में जितना भी सामग्री का प्रयोग किया जाता है सब 6, 12, 24 की संख्या में रहती है। छठ पूजा सामाजिक समरसता एवं स्वच्छता का प्रतीक है। समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ खड़े होकर भगवान सूर्य की पूजा करते हैं।

जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, लखनऊ विकास प्राधिकरण, सिंचाई विभाग और अन्य सभी विभागों के कर्मचारी एवं अधिकारीगण छठ पूजा घाट लक्ष्मण मेला मैदान गोमती तट लखनऊ पर उपस्थित होकर छठ पूजा को कैसे भव्य और दिव्या मनाया जाए उसमें भोजपुरी समाज के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। छठ घाट की तैयारी से संबंधित सभी कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। जो थोड़े बहुत कार्य बचे भी हैं वह भी आज शाम तक पूर्ण हो जाएंगे। पूरे छठ घाट पर सफाई की व्यवस्था, लाइटिंग की व्यवस्था आदि अन्य कार्य भी जोरों शोरों से चल रहा है।

पेस वार्ता के विशेष अवसर पर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय महासचिव मनोज सिंह, राष्ट्रीय सचिव वेद प्रकाश राय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष हनुमान यादव, प्रदेश महामंत्री संजय सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम रतन यादव आदि अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की उप निर्वाचन की मतदान तिथि बढ़ी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने हाल ही में भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के मद्देनजर उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव–2024 की तिथि को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। उनके इस अनुरोध के बाद निर्वाचन आयोग ने निर्णय लिया है कि अब 9 विधानसभा सीटों पर उप निर्वाचन 13 नवंबर के बजाय 20 नवंबर 2024 को होंगे। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने निर्वाचन आयोग को उपचुनाव की तिथि बढ़ाने के निर्णय के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस फैसले से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को कार्तिक पूर्णिमा के धार्मिक महत्व का लाभ प्राप्त होगा और मतदान प्रक्रिया भी सुचारू रूप से संपन्न हो सकेगी। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है, जब देशभर से लोग गंगा स्नान, व्रत, पूजा और भंडारे जैसे धार्मिक आयोजन करते हैं। यह दिन श्रद्धालुओं के लिए अत्यधिक पुण्य प्राप्ति का अवसर माना जाता है। इसी के चलते, श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा से तीन दिन पूर्व ही धार्मिक स्थलों की ओर प्रस्थान कर लेते हैं। विशेष रूप से, गाजियाबाद और मीरापुर विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होने हैं, जहां गढ़मुक्तेश्वर और शुकतीर्थ में विशाल मेले का आयोजन होता है। इससे इन क्षेत्रों में कम मतदान की संभावना थी। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए, चुनाव की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

05 नवम्बर 2024 को विकास खण्ड सोंधी शाहगंज में रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में 05 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड सोंधी शाहगंज परिसर जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर प्रा0लि0, खेतीहर एवं शिवशक्ति बायोटेक्नोलाजी प्रा0लि0 कम्पनियों के द्वारा हाईस्कूल, इण्टर, आई0 टी0 आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कम्पनियों में सेवायोजित कराये जाने हेतु रोजगार मेला आयोजित किया जायेंगा। जिसमें अभ्यर्थी प्रतिभाग करते हुए साक्षात्कार के माध्यम से योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaar sangam .up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए प्रतिभाग करें।

निर्माण एवं विकास कार्यों को मानक के अनुरूप समय पर पूर्ण करायें – मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) सोमवार को तहसील शाहाबाद में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों होने वाले निर्माण एवं विकास कार्यो को प्राथमिकता पर गुणवत्ता तथा तय मानक के अनुरूप समय पर पूर्ण कराने के साथ भारत एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सभी गरीब पात्र लोगों को लाभान्वित करायें। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी नियमित अपने कार्यालय में बैठे और आने वाले फरियादियों के प्रार्थना पत्रों का स्वयं सज्ञान लें तथा उसका तत्काल संभव न हो तो ससमय निस्तारण अवश्य करायें। सरकारी एवं गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायत के संबंध में डीएम ने सभी कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्रों में अवैध भूमि कब्जों की जो शिकायतें मिली है उनका रोस्टर बनाकर पैमाइस करें और तहसीलदार की उपस्थित में अवैध कब्जा की गयी सभी सरकारी एवं गरीबों की पट्टे की भूमि पुलिस बल के सहयोग से कब्जा मुक्त करायें तथा भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजें। विद्युत विभाग की शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान तत्काल कराये तथा नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति करायें। पेंशन से संबंधी आवेदन पर जिलाधिकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन वृद्धावस्था, निराश्रित एवं दिव्यांग पेंशनरों की पेंशन किसी कारण बंद या रूक गयी है उसकी ब्लाक स्तर पर जांच कराकर पात्र व गरीबों की पेंशन बहाल करायें साथ ही नये पेंशन के पात्र आवेदन पत्रों की जांच आख्या पत्र कर पेंशन स्वीकृत के लिए विभाग को प्रेषित करें।

जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों से कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए नियमित भ्रमणशील रहें तथा दबंग, अपराधी, एवं आसामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखें और अवैध भूमि कब्जा मुक्त कराने में राजस्व प्रशासन का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि आज सम्पूर्ण समाधान के अलावा सीएम डैश बोर्ड आदि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय अवश्य कर दें अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील परिसर का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम से कहा कि परिसर में स्थित जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण का कार्य जल्द करायें और तहसील के निर्माणाधीन भवन के निर्माण तेजी करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी दीक्षा जोशी, तहसीलदार व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी पीपी त्रिपाठी तथा जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ आदि उपस्थित रहे।

जनता दर्शन- गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने 200 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया वे पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर शनिवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं।

कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी

डीजे पर नाचने के विवाद में युवक को गोली मारी, गंभीर

गोरखपुर, संवाददाता। तिवारीपुर के माधोपुर में दिवाली के दिन लक्ष्मी प्रतिमा के सामने डीजे पर बज रहे गाने पर नाचने के विवाद में महेंद्र पासवान को चार मनबढ़ों ने मारपीट कर गोली मार दी। दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस की मदद से परिजन जिला अस्पताल लेकर गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पिता गिरिश चंद पासवान की तहरीर पर शुक्रवार को केस दर्ज कर तिवारीपुर पुलिस ने शनिवार को माधोपुर संत रविदास स्कूल के पास से आनंद साहनी, अनुराग उर्फ रोनित रावत, साहिल कन्नौजिया उर्फ भोले भक्त और प्रिंस साहनी को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से पुलिस ने 32 बोर की अवैध पिस्टल और मैग्जीन भी बरामद की गई है। चारों आरोपियों पर तिवारीपुर थाने में पहले से कई केस दर्ज हैं। पिता गिरिश चंद पासवान ने तहरीर में लिखा है कि मेरे बेटा बगल में ही स्थापित लक्ष्मी प्रतिमा के पास डीजे पर बज रहे गाने पर नाच रहा था। इस दौरान मोहल्ले के ही चार युवकों से गाना बजाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आनंद साहनी ने अपनी कमर से अवैध पिस्टल निकालकर बेटे की जान मारने की नियत से उसपर फायर कर दिया। गोली बेटे के दाएं पैर पर लगी है। जानकारी पर पहुंचे तो आरोपी असलहा लहराते हुए भाग निकले। मेडिकल कॉलेज में बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ निकली भगवान चित्रगुप्त जी की भव्य शोभायात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद के समस्त चित्रांश बंधुओ ने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में समस्त प्राणियों के जीवन मृत्यु का लेखा–जोखा रखने वाले परम पूज्य भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की भव्य शोभायात्रा जनपद में निकली जिसमें पूरे जनपद के हजारो कायस्थ समाज के लोगों ने भाग लिया इस दौरान समाजसेवी व सम्मानित व्यक्तियों ने भी भगवान चित्रगुप्त जी महाराज के शोभायात्रा में शामिल हुए प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव व शोभायात्रा संयोजक मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की शोभायात्रा का आयोजन किया गया शोभायात्रा के शुरू होने के पूर्व भगवान चित्रगुप्त जी महाराज के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया उसके बाद प्रकांड विद्वान ब्राह्मणों के मंत्र उच्चारण के पश्चात भव्य शोभायात्रा की शुरुआत हुई जो नगर पालिका परिषद से चलकर कोतवाली चौराहा, शाही पुल ओलांदगंज होते हुए चित्र गुप्त मंदिर : हटा पर पहुंचे जहां पर भगवान चित्रगुप्त जी की आरती कर समस्त लोगों में प्रसाद वितरण किया गया तत्पश्चात विशाल भंडारा का आयोजन हुआ जिसमें सभी गणमान्य व्यक्तियों ने प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान कायस्थ सभा के संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव ,सुभाष चंद्र श्रीवास्तव. राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव कर्मचारी नेता, प्रदीप श्रीवास्तव डीओ, प्रदीप अस्थाना, रवि श्रीवास्तव , विपनेश श्रीवास्तव, प्रदीप पप्पू श्रीकांत श्रीवास्तव. पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, दयाशंकर निगम, रामेंद्र श्रीवास्तव, श्यामलकांत श्रीवास्तव,महिला जिला अध्यक्ष डॉ पूनम श्रीवास्तव, डॉ अंजना श्रीवास्तव , मिलन श्रीवास्तव, विमला श्रीवास्तव, शरद श्रीवास्तव , अजय श्रीवास्तव , संजय अस्थाना ,श्याम रतन श्रीवास्तव, सरोज श्रीवास्तव, मयंक नारायण श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव पत्रकार ,मनीष श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव सिपाह, लालमोहन श्रीवास्तव आनंद शंकर श्रीवास्तव , मोहन शंकर श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव , जिला महामंत्री भास अमित श्रीवास्तव , नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव , डॉ प्रमोद श्रीवास्तव , रूपेश श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव,धीरज श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव सहित सैकड़ो बंधु उपस्थित रहे साथ ही जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्या जी राज्य मंत्री के कार्यालय प्रभारी ब्रह्मेश शुक्ला जी शोभा यात्रा के संयोजक मनीष श्रीवास्तव सभासद ने शोभायात्रा में पधारे अतिथियों का स्वागत किया।

एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में डीडीयू के 35 कैडेट्स को मिला स्वर्ण पदक

, संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने 21 से 30 अक्तूबर तक सैनिक स्कूल, गोरखपुर में आयोजित एनसीसी के 167वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 35 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। 10 दिवसीय शिविर में 94 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। ड्रिल, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, वेपन ट्रेनिंग और टेंट पीचिंग जैसी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 35 कैडेटों (09 छात्राएं एवं 26 छात्र) को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। शिविर का आयोजन 44 यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रमन तिवारी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान कैडेट्स को ड्रिल, मैप–रीडिंग, फील्ड–क्राफ्ट, बैटल–क्राफ्ट, वेपन ट्रेनिंग, फायरिंग, फायर फाइटिंग, ट्रैफिक कंट्रोल और खेलकूद जैसी विभिन्न गतिविधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भी विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान अर्जित किया। फायरिंग प्रतियोगिता में कैडेट विकास यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। सीनियर अंडर ऑफिसर शिवम गुप्ता को कैंप सीनियर के रूप में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वहीं, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन (प्रो.) दिग्विजय नाथ मौर्य (कैंप एडजुटेंट) को बेस्ट एनसीसी ऑफिसर अवॉर्ड एवं स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह विश्वविद्यालय और एनसीसी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। विश्वविद्यालय निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है और उन्हें शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करता है।

ट्रक की चपेट में आने से गर्भवती की मौत, पति घायल

गोरखपुर, संवाददाता। पति के साथ बाइक से ससुराल आ रही गर्भवती की गीडा के दाना पानी होटल के पास ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। पति भी गंभीर रूप से घायल है, जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अभी एक साल पहले इनकी शादी हुई थी। महराजगंज जिले के शयामदेऊरवा थाना क्षेत्र नटवा जंगल गांव निवासी मां–बाप का इकलौते बेटे संदीप चौरसिया (25) की शादी संतकबीरनगर जिले की रहने वाली मनीषा चौरसिया (22) से हुई थी। दिवाली मनाने पति के साथ मनीषा मायके गई थी। शनिवार देर शाम पत्नी को लेकर पति घर वापस आ रहा था। दाना पानी होटल के सामने बाइक सवार दंपती ट्रक की चपेट में आ गए। गर्भवती मनीषा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संदीप गंभीर रूप से घायल पड़ा था, जिसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। संदीप बेकरी की दुकान पर काम करता है। घर की खेतीबारी भी देखता है।

यातायात माह के तहत 1285 वाहनों का किया चालान रूजी डी शुक्ला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यातायात नवम्बर माह के दौरान सोमवार को यातायात पुलिस ने यातायात के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए 1285 वाहनों का चालान किया। यातायात प्रभारी निरीक्षक जीडी शुक्ला ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर के दौरान शहर के पॉलिटेक्निक चौराहा पर ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा व बस के चालको व परिचालकों को इकट्ठा कर यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया । तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1285 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी । तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया । हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्रवायी में 1285 वाहनों का चालान किया गया ।

श्रद्धालुओं से भरी बस सहित चार वाहन गड्ढे में पलटे, एक की मौत–14 गंभीर

बस्ती, संवाददाता। आंबेडकरनगर के किछौछा शरीफ दरगाह से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस सहित चार वाहन कलवारी थानाक्षेत्र के माझा खुर्द गांव के मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में गिरकर पलट गई। इन वाहनों में सवार करीब 70 लोग चोटिल हो गए। उनमें सोनहा थानाक्षेत्र के करमहिया निवासी 70 वर्षीय वृद्ध का दोनों पैर कट गया, जिसकी सीएचसी पर पहुंचते ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 14 श्रद्धालुओं को सीएचसी ले जाया गया, जिनमें से 10 घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मौके पर एडीएम, एएसपी, सीएमओ व कई थानों की फोर्स पहुंचकर रात बचाव कार्य में जुट गई। जानकारी के अनुसार बुधवार को गोंडा जिले के खोड़ारे, सिद्धार्थनगर सहित जिले के सोनहा व गौर क्षेत्र के श्रद्धालु आंबेडकरनगर के किछौछा शरीफ दरगाह पर गए थे। सभी लोग शनिवार को एक बस, ऑटो में सवार होकर लौट रहे थे। इन दोनों वाहनों के साथ एक बोलेरो भी साथ में आ रही थी। टांडा पुल पार करके कलवारी थाने के माझा खुर्द गांव के मोड़ पर सामने से एक पिकअप पहुंच गई। पिकअप को बचाने में सभी वाहन अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरते चले गए, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। चीख–पुकार सुनकर आसपास के गांव के लोग दौड़े। इसी दौरान सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। आनन–फानन गंभीर रूप से घायल 14 लोगों को सीएचसी ले जाया गया।

फोरलेन किनारे मिला महिला का सड़ चुका शव

गोरखपुर, संवाददाता। रामनगर कड़जहा से बाघागाड़ा की तरफ जाने वाले फोरलेन किनारे एक महिला का शव फिर मिल गया। अभी चंद महीने पहले ही गीडा इलाके में महिला का शव महिला, जिसकी पहचान आज तक नहीं हो सकी। अब दोबारा शव मिला, लेकिन यह शव पूरी तरह से सड़ चुका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने पुलिस को फोरलेन किनारे झाड़ी में एक महिला के होने की सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची तो छानबीन में आशंका जताई गई कि एक सप्ताह पुराना शव होगा। चेहरा स्पष्ट नहीं था, जिस वजह से पहचान नहीं हो सकी। उसकी उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव सड़ चुका है। उसे पोस्टमार्टम भेजा गया है।

बहनों ने मंत्री नंदी को तिलक लगाकर दिया आशीर्वाद, सैकड़ों महिलाएं पहुंची मंत्री के घर

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंद ने रविवार को बहादुरगंज स्थित अपने आवास पर सैकड़ों बहनों, भाजपा की महिला पदाधिकारियों, महिला मोर्चा, जिला, मंडल, सेक्टर की पदाधिकारी बहनों के साथ भैया दूज का पर्व मनाया। सभी बहनों ने भाई–बहन के परस्पर प्रेम, अटूट विश्वास, समर्पण एवं पवित्र रिश्ते के प्रतीक पर्व भाई दूज के पावन अवसर पर तिलक लगाकर मंत्री नन्दी को अपना आशीर्वाद दिया। मंत्री नंदी ने कहा कि भाई–बहन का यह अटूट बंधन हमेशा प्रेम, स्नेह और खुशियों से भरा रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

भाई दूज का यह पर्व हमारे रिश्तों को और भी मजबूत बनाता है और हमें एक–दूसरे के प्रति अपने प्यार और सम्मान को व्यक्त करने का मौका देता है। इस अवसर पर सभी बहनों ने मंत्री नंदी को तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर लंबी उम्र की कामना की। मंत्री ने बहनों को आशीर्वाद और उपहार दिया। मंत्री ने सभी बहनों को भाई दूज की शुभकामनाएं दी। नंदी ने कहा कि बहनों की जिंदगी में सुख–समृद्धि और खुशियां रहे, इसके लिए मैं सदैव काम करता रहूंगा। बहनों का आशीर्वाद मुझे और ताकत से काम करने की ऊर्जा देता है। बुधवार को बहनों ने भाइयों के लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखा और उनको तिलक लगाकर कुशल और मंगलमय जीवन की कामना की।

शांति भंग में चालान से नाराज भाई ने परिवार समेत किया हमला

गोरखपुर, संवाददाता। कोतवाली के पुर्दिलपुर में शांति भंग में चालान होने से नाराज राजेश सोनकर ने परिवार के साथ हमला कर अपने भाई और उसकी पत्नी को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित राकेश सोनकर की तहरीर पर कोतवाली थाने में पुलिस ने राजेश सोनकर, रेश्मा सोनकर, आरती देवी और दो अज्ञात पर केस दर्ज किया है। राकेश सोनकर ने तहरीर देकर बताया कि एक अगस्त को बगल में रहने वाले भाई राजेश सोनकर की पत्नी और मेरी पत्नी प्रियंका से कूड़ा फेकने को लेकर विवाद हो गया। राजेश का पूरा परिवार मिलकर गालियां देने लगा। विरोध करने पर मारने के लिए दौड़ा लिया।

थाने में शिकायत करने पर दोनों पक्षों को शांति भंग में चालान कर दिया गया। इसके बाद से ही राजेश सोनकर नाराज रहने लगे। चार अगस्त को मैं घर से निकलकर कहीं जा रहा था। उसी समय राजेश पूरे परिवार के साथ मुझे मारने के लिए दौड़ा लिए। उन लोगों ने घर में घुसकर मुझे और मेरी पत्नी को मार पीटकर घायल कर दिया। 30 अक्तूबर को केस दर्ज कर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 47 प्रार्थना पत्र में 07 का हुआ निस्तारण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तहसील सदर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरतापूर्ण सुनते हुए समस्या के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी के समक्ष भूमि विवाद, पेंशन, आदि से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई, जिसपर उन्होंने निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनपद के अन्य तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस का भी आयोजन किया गया और जनसामान्य की शिकायतों को सुना गया और सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिये गये।

उप चुनाव में अधिकांश सीटें जीतेगी भाजपा – डिप्टी सीएम केशव मौर्या

प्रयागराज, संवाददाता। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यूपी में होने जा रहे नौ सीटों पर विधानसभा चुनाव में अधिकांश सीटों पर भाजपा प्रत्याशी की जीत होगी। कहा कि फूलपुर में भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है, बस अंतर कितना बड़ा होगा यह देखना है। मौर्य ने कहा कि जनता ने हरियाणा चुनाव में भाजपा को तीसरी बार जिताकर स्पष्ट कर दिया है कि विरोधियों की दाल गलने वाली नहीं है। मौर्य रविवार को जिला पंचायत सभागार में महाकुंभ के मद्देनजर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। झारखंड में भी कमल खिलेगा और जिस तरह से 2017 और 2022 में यूपी में भाजपा की जीत हुई थी उसी तरह से झारखंड में भी पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। फूलपुर उप चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली

सपा मुखिया अखिलेश यादव के सवाल पर मौर्य ने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने पूरे प्रदेश को अराजकता और जंगलराज का गढ़ बना दिया था। जनता त्राहि–त्राहि कर रही थी। वह माफियाओं को प्रश्रय दे रहे थे। अब वह भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त करने की बात करते हैं तो लगता है कि जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। अपने कार्यकाल में कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले अखिलेश अब लोगों को कानून और संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं।

कलाकारों को किया सम्मानित

इस दौरान प्रस्तुति देने आए जम्मू–कश्मीर, राजस्थान, बिहार और प्रदेश के अन्य जनपदों से पहुंचे कलाकारों को डिप्टी सीएम ने सम्मानित किया।

जंक्शन पर लावारिस पड़े आठ बैग में मिले 104 कछुए

प्रयागराज, संवाददाता। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर लावारिस हालत में मिले आठ बैग से 104 कछुए बरामद किए गए हैं। तस्करों का पता नहीं चल सका है। पुलिस उनकी खोजबीन में जुटी है। आशंका जाहिर की जा रही है कि तस्कर बैक को लेकर कोलकाता जाने की तैयारी मे थे। पुलिस की नजर पड़ने पर वह बैग छोड़कर भाग निकले। जीआरपी ने कछुओं को वन विभाग को सौंप दिया है। रविवार को प्लेटफार्म नंबर पांच पर काफी देर से सात आठ बैग पड़े थे। यात्रियों की सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने बैग के बारे में पूछताछ शुरू की तो किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस ने बैग को खोला तो उसमें बड़ी संख्या में कछुए पड़े मिले। गिनती की गई तो 104 कछुए पाए गए।

पुलिस के अनुसार जादू–टोना से लेकर दवाएं बनाने सहित अन्य कार्यों के लिए कछुओं की तस्करी की जाती है। कोलकाता के रास्ते चीन, नेपाल में तस्करों के द्वारा आपूर्ति की जाती है।

नाले पर बने मकान पर चल रहा प्रशासनिक हथौड़ा

गाजीपुर, संवाददाता। गाजीपुर में प्रशासनिक टीम का हथौड़ा चलता नजर आया। नगर पालिका प्रशासन की ओर से रविवार को शहर के झंडातर मोहल्ले में अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया। विभाग का कहना है कि जब तक नाला नजर नहीं आएगा, तब तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलता रहेगा। अतिक्रमण हटाने के बाद नाले की सफाई का कार्य किया जाएगा। बताते चलें कि पिछले दिनों प्रशासनिक टीम ने कार्रवाई की जद में आने वाले मकान को नोटिस दिया था।

काशी में शुरू हुआ आध्यात्मिक समागम, महारुद्र और शतचंडी यज्ञ के मंत्रों से गूंजेगा शिवाला घाट

वाराणसी, संवाददाता। दक्षिण भारत की सुप्रसिद्ध पीठ विशाखा शारदा पीठम द्वारा शिवाला स्थित चेत सिंह किला परिसर में आयोजित तीन दिवसीय अध्यात्मिक समागम सनातन कुंज के तहत भव्य महारूद्र एवं शतचंडी याग वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रविवार को शुभारम्भ हुआ। विशाखा श्री शारदा पीठम के उत्तराधिकारी स्वामी श्री स्वात्मानन्देन्द्र सरस्वती महाराज ने बताया कि राष्ट्र के सुख, समृद्धि, शांति की कामना एवं लोककल्याण के लिए विशाखा श्री शारदा पीठम के पीठाधिपति महास्वामी श्रीश्रीश्री स्वरूपानन्देन्द्र सरस्वती महाराज के आशीर्वाद से इस भव्य अध्यात्मिक समागम का आयोजन किया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।